

प्रेषक,

डी०एस० गर्वाल,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
शहरी विकास निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

शहरी विकास अनुभाग-२

देहरादून : दिनांक ५ नवम्बर, 2015

विषय : वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 में नगरपालिका परिषद, मसूरी को अवस्थापना विकास निधि से धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद, मसूरी के पत्रांक: 97-98/अध्यक्ष/2015-16, दिनांक 14.10.2015 एवं पत्रांक: 27 व 31/अध्यक्ष, दिनांक 12.10.2015 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि नगरपालिका परिषद, मसूरी को संलग्नक-१ में उल्लिखित विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु कार्यवार संस्तुत कुल ₹25.41 लाख (रूपये पच्चीस लाख इकलातीस हजार मात्र) की धनराशि की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए उक्त धनराशि को व्यय हेतु आपके निवर्तन में रखे जाने हेतु निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) उक्त धनराशि कुल ₹25.41 लाख (रूपये पच्चीस लाख इकलातीस हजार मात्र) आपके द्वारा आहरित कर शासनादेश में उल्लिखित शर्तों के अनुसार नगरपालिका परिषद, मसूरी को बैंक ड्राफ्ट अथवा चैक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी।
- (ii) निर्माण कार्य निर्धारित अवधि के अन्तर्गत पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा और किसी भी दशा में पुनरीक्षित आगणनों पर स्वीकृति प्रदान नहीं की जायेगी।
- (iii) आगणन गठित करते समय एवं कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं मितव्यियता के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत किये गये शासनादेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।
- (iv) सभी निर्माण कार्य समय-समय पर गुणवत्ता एवं मानकों के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेशों के अनुरूप कराये जायेंगे।
- (v) जॉब-१ के रूप में प्रस्तुत आगणनों के सम्बन्ध में शेष कार्य हेतु धनराशि नगर निकाय द्वारा स्वयं वहन की जायेगी।
- (vi) कार्यों की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित तकनीकी अधिकारी/अधिशासी अधिकारी पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे।
- (vii) विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।
- (viii) स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाय।
- (ix) कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाय, जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है, स्वीकृति से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (x) मुख्य सचिव महोदय, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219/2006 दिनांक 30मई, 2006 के द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य करते समय अथवा आगणन गठित करते समय का कड़ाई से पालन किया जाए।

- (xi) निर्माण कार्य पर प्रयोग किये जाने वाली सामग्री का नमूना परीक्षण अवश्य करा लिया जाये तथा उपयुक्त पायी गयी सामग्री का ही प्रयोग निर्माण कार्य में किया जाये।

(xii) उपरोक्त स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग उन्हीं योजनाओं/कार्यों हेतु किया जायेगा, जिस हेतु धनराशि स्वीकृत की गयी है, किसी भी दशा में धनराशि का व्यावर्तन किसी अन्य योजना में नहीं किया जा सकता।

(xiii) उपरोक्त स्वीकृत कार्यों में यदि कोई कार्य किसी अन्य मद/योजना से करा लिया गया है, तो उक्त स्वीकृत कार्य के सापेक्ष धनराशि राजकोष में जमा करा दी जाय।

(xiv) नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों के क्रम में कार्यदायी संस्था द्वारा ठेकेदार के साथ किये जाने वाले **Construction Agreement** में एक वर्ष का **Defect Liability Period** तथा 3 वर्ष तक अनुरक्षण की शर्त भी रखी जायेगी।

(xv) धनराशि का दिनांक 31-3-2016 तक पूर्ण उपयोग कर, कार्य का वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा।

2- उक्त के संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक के अनुदान सं-13 के लेखाशीर्षक-2217-शहरी विकास-03-छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत- 191-स्थानीय निकायो, निगमों, शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर सुधार बोर्डों को सहायता-03-नगरों का समेकित विकास-05-“नगरीय अवस्थापना सुविधाओं का विकास”-‘20 सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता’ के नामे डाला जाएगा।

अनुदान/अशादान/राज राहगती
 3- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 88/XXVII(2)कार्य/2005, दिनांक 21.02.2005 में
 प्रदत्त दिशा-निर्देशों के अनुरूप जारी किये जा रहा है।
संलग्नक- अलॉटमेन्ट आई डी-5.15.11.300/14
 भवदीय,

मवदीय,

(डी०एस० गर्वाल)
सचिव।

सं-१४१६ (१) / इव(२)-शा०वि०-२०१५, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

- प्रतिलिपि निम्नालिखित का सूचनाये एवं जापरेक करना।

 1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) / महालेखाकार (आडिट), उत्तराखण्ड, देहरादून।
 2. निजी सचिव, माठ शहरी विकास मंत्री जी।
 3. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
 4. जिलाधिकारी, देहरादून।
 5. वित्त अधिकारी, साईबर ट्रेजरी, 23-लक्ष्मी रोड, देहरादून।
 6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
 7. वित्त अनुभाग-2 / संयुक्त निदेशक, राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड शासन।
 8. निदेशक, एनोआईसी०, सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि शहरी विकास के जी००० में इसे शामिल करें।
 9. अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका परिषद, मसूरी।
 10. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
 11. गार्ड बुक।

आज्ञा से,

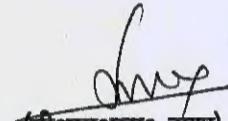
Jimmy
(डी०एम०एस० खाणा)
उप सचिव।

शासनादेश संख्या: १४१६ /IV(2)-श०वि०-२०१५-४८(सा०)१४, दिनांक ०५ नवम्बर, २०१५ का संलग्नक।

(घनराशि ₹ लाख में)

क्र.सं.	कार्य का नाम	कार्य की लागत
१-	मसूरी-चम्बा मार्ग से मसराना खौलधार को जाने वाले मार्ग की मरम्मत का कार्य, जॉब-१	2.91
२-	मसूरी-चम्बा मार्ग से मसराना खौलधार को जाने वाले मार्ग की मरम्मत का कार्य, जॉब-२	2.95
३-	काला स्कूल से इन्द्रा भवन को जाने वाले पैदल मार्ग का निर्माण कार्य, जॉब-१।	4.99
४-	भद्राज मंदिर में सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य व अन्य, जॉब-१	4.93
५-	शिव कालोनी में आन्तरिक गलियों का निर्माण।	4.65
६-	भद्राज मंदिर के प्रांगण एवं रेलिंग का कार्य।	4.98
योग-		25.41

(रुपये पच्चीस लाख इकतालीस हजार मात्र)


(डॉ०एम०एस० राणा)
उप सचिव।